

14/6/22

पञ्चावली पेशद्वारा प्रार्थना व
उभय आश्रयमा अनुपस्थित
कार-कार आकाश प्रिक्वागिनी
दोना ही ही करी उपस्थित रही
आपण आरा वास / प्रार्थना फल
प्रार्थना अस्तु दायी अस्तु
पेटी वारीक विप्रा गोरवी
पञ्चावली मन्त्र के मन्त्र देवे
प्रार्थना कर लें